दीक्षांत समारोह

उस दीक्षांत समारोह
के उल्लासी घड़ी
में बँट रही
डिग्रियाँ, जिसकी
उमंग उनके
चेहरों पर छितरायी
जो पहने थे
काले गाउन,
आत्मविभोर हो
दूसरी सुबह
निकले सड़क पर
अपनी डिग्री
आत्मविश्वास से संभाले
और भटकते रहे
इध्र–उध्र
कि मोल नहीं
दिख रहा
बाजार में उनदोनों का,
कल ही दोनों
साथ–साथ
कैमरे के सामने
तस्वीरें खिंचवा रहे थे,
उस मुस्कान की
परत सूखती गई,
डिग्री हथेलियों के
पसीने सोख
गलती गई,
दिन ढ़लते
बदरंग दिखा
दीक्षांत समारोह
जिससे डिग्रीधरक
नहीं, निकले
बेरोजगारीधरक उत्तीर्ण
अनुत्तरित जीवन
का हल ढूँढ़ने।

नाम – गरिमा
पता– समस्तीपुर
मो0 09931206902